गांवों में सकारात्मक सुधार ला रहीं महिलाएं

ग्रामीण महिलाएं अब समाज में सकारात्मक सुधार ला रही हैं. सखी मंडल की ताकत अब जमीन पर दिखाई दे रही है, जो बड़े बदलाव की ओर संकेत कर रही है. सखी मंडल की महिलाएं अब समाज से कुपोषण को हटाने का जिम्मा उठा चुकी हैं. इसके लिए गांवों की गलियों में रैली और नारों के माध्यम से ग्रामीणों को जागरूक करने का प्रयास कर रही हैं. ग्रामसभा की बैठकों में अपने गांव की जरूरत को प्राथमिकता के आधार पर योजना बनाकर पंचायत के सामने रख रही हैं. कल तक जो सरकारी योजनाएं ग्रामीणों तक नहीं पहुंच पाती थीं, अब सखी मंडल की दीदियों के जरिये योजनाओं की जानकारी घर-घर तक पहुंच रही है. सखी मंडल की दीदियों की ताकत समाज में बढ़ रही है.

करम वृक्ष लगाने में मदद करेंगी समूह की दीदियां

पारंपरिक नृत्य कर मुख्यमंत्री का स्वागत करतीं महिलाएं.

प्रीति लिंडा

प्रखंड : कांके
जिला : रांची

करमा पूजा के मौके पर रांची जिले के कांके प्रखंड अंतर्गत मुरूम गांव में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया. कार्यक्रम में झारखंड के मुख्यमंत्री रघुवर दास बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए. इसके अलावा कांके विधायक जीतू चरण राम, सांसद रामटहल चौधरी, जेएसएलपीएस की ब्लॉक प्रोग्राम मैनेजर लवली सिंह, कम्युनिटी को-आर्डिनेटर मो. सरफरोज खान, आदित्य महतो, कार्तिक कुमार और इनकी पूरी टीम उपस्थित थी. मौके पर काफी संख्या में सखी मंडल की महिलाएं और ग्रामीण शामिल हुए. सखी मंडल की महिलाओं ने सभी मुख्य अतिथियों का स्वागत पूरे उत्साह से किया. मुख्यमंत्री रघुवर दास ने सरना झंडा का पूजा करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया. इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि करम पर्व आदिवासियों का मुख्य त्योहार है, लेकिन करम के पेड़ विलुप्त होते जा रहे हैं. इसलिए पूरे राज्य में 60 हजार करम के पेड़ लगाये जायेंगे और करम वृक्ष लगाने का शुभारंभ मुरूम गांव की पावन धरती से किया जायेगा. उन्होंने खुद अपने हाथों से मुरुम गांव में करम का पौधा लगाया और कहा कि हर वृक्ष में देवी-देवता का वास होता है, इसलिए हम प्रकृति की पूजा करते हैं. वन के रूप में हमारे पूर्वजों ने हमें अनमोल तोहफा दिया है, जिसे हमें बचा कर रखना है. कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री रघुवर दास ने सरकार के विकास कार्यों का भी उल्लेख किया और लोगों को आयुष्मान भारत योजना के बारे में जानकारी दी. इस आयोजन के लिए वन पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के पदाधिकारियों ने सखी मंडल की महिलाओं के साथ चर्चा की थी और सखी मंडल की महिलाओं के कार्यों को देखते हुए मुरूम गांव में मुख्यमंत्री के हाथों करम पौधरोपण का शुभारंभ करने की बात कही थी. इस पर ग्रामीणों ने विचार किया था कि करम पर्व के मौके पर ही करम का पेड़ लगाया जाये. कार्यक्रम में शामिल सखी मंडल की वीणा देवी ने कहा कि मुख्यमंत्री का उनके गांव में पेड़ लगाना गर्व की बात है. उन्होंने पूरे गांववालों की तरफ से मुख्यमंत्री को धन्यवाद दिया. सभी ने हरा-भरा झारखंड रखने का संकल्प लिया.

स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम

नंदी कंडुलिना

प्रखंड : तांतनगर
जिला : पश्चिमी सिंहभूम

पश्चिमी सिंहभूम जिले के तांतनगर प्रखंड के सोनी गांव में एकदिवसीय स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया. कार्यक्रम में सखी मंडल की महिलाएं काफी संख्या में शामिल हुईं. मौके पर सभी लोगों ने स्वच्छता की शपथ ली और पूरे गांव में घूम कर पोषण को लेकर रैली निकाली गयी और नारे लगाये. अभियान में शामिल सीसी रेवंती ने ग्रामीणों को विस्तार से स्वच्छता से संबंधित जानकारी दी. सीसी रेवंती ने बताया कि पहले महिलाओं को शौच के लिए बाहर जाना पड़ता था, पर अब शौचालय बन जाने से महिलाओं को काफी राहत मिली है. इस दौरान महिलाओं ने कहा कि जिस तरह से सरकार घर-घर में शौचालय की व्यवस्था कर रही है, उसी तरह पानी की भी व्यवस्था होनी चाहिए. महिलाओं ने कहा कि जिस तरह से महिलाएं पीने के लिए पानी लेकर आती हैं. उसी तरह शौच का इस्तेमाल करने के लिए ही पानी लेकर आयें. मौके पर सभी महिलाओं ने स्वच्छता को लेकर एक दूसरे का सहयोग करने की बात कही.

स्वच्छता की शपथ लेतीं महिलाएं.

स्वच्छता से गांव में आया बदलाव

कुमारी पूनमवाला

प्रखंड : ठाकुरगंगटी
जिला : गोड्डा

गोड्डा जिले के ठाकुरगगंटी प्रखंड के मोरडीहा ईटवा गांव में स्वच्छता अभियान चलाया गया. सीसी सोनेलाल द्वारा एसएसजी 18 एप्स के द्वारा किट बैग देने की जानकारी दी गयी और 60 लोगों को किट बैग भी दिया गया. बता दें कि खुले में शौच से मुक्त करने के लिए स्वच्छ भारत अभियान के तहत ग्राम संगठन के द्वारा मोरडीहा गांव में 136 शौचालय का निर्माण कराया गया है. इसके लिए गरीब परिवारों को सरकार की ओर से 12 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि दी गयी है. शौचालय बनने के बाद अब घर की बहू-बेटियों को शौच के लिए बाहर नहीं जाना पड़ता है. गांव में चलाये गये स्वच्छता अभियान के दौरान घर के आस-पास मिट्टी की भराई की गयी, ताकि जल जमाव न हो सके. साथ ही जगह-जगह पर कूड़ेदान लगाये गये हैं, जिससे गंदगी दूर हुई है. पहले ग्रामीण गंदगी को यहां-वहां फेंक देते थे, जिसके कारण गांव में गंदगी होती थी और बीमारियां होती थीं. गांव को स्वच्छ रखने के लिए न सिर्फ शौचालय बनाया गया, बल्कि ग्रामीणों की आदतों में भी बदलाव लाया गया है.

कूड़ेदान के साथ खड़ी महिलाएं.

सात योजनाओं की दी गयी जानकारी

अधिकारियों से गैस चूल्हा लेतीं ग्रामीण महिलाएं.

सुखमति गगराई

प्रखंड : हाटगम्हरिया
जिला : पश्चिमी सिंहभूम

पश्चिमी सिंहभूम जिले के 427 गांवों में गांवों के विकास को लेकर विशेष अभियान चलाया जा रहा है. इसकी मॉनिटरिंग केंद्र के अधिकारी कर रहे हैं. इसी के तहत हाटगम्हरिया स्थित डुमरिया पंचायत के कुलाबुरू गांव में प्रखंड विकास पदाधिकारी की अध्यक्षता में गांव में चल रहे कार्यों का निरीक्षण किया गया. इस दौरान बीडीओ के साथ-साथ केंद्र के अधिकारी भी मौजूद थे. जिले में 1000 या उससे अधिक की आबादीवाले गांवों में सात योजनाएं चलायी जा रही हैं, जिसमें हाटगम्हरिया प्रखंड के 26 गांव शामिल हैं. सभी गांवों में पदाधिकारी खुद जाकर ग्रामीणों को योजनाओं की जानकारी दे रहे हैं. इसके तहत कुलाबुरू गांव में भी पदाधिकारी पहुंचे थे. सरकार द्वारा किये वादे के अनुसार सात योजनाओं के तहत गांवों के आर्थिक विकास के लिए योजनाओं को गांव-गांव तक पहुंचाया जा रहा है. प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, सौभाग्य उजाला योजना, प्रधानमंत्री जन-धन योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा योजना और मिशन इंद्रधनुष मुख्य योजनाएं शामिल हैं. इन योजनाओं के तहत गांव में हर घर को बिजली कनेक्शन दिया जा रहा है. प्रखंड और पोस्ट ऑफिस के माध्यम से अनुदानित दर पर 60 रुपये में एलइडी बल्ब दिये जा रहे हैं. ग्रामीण महिलाओं को राहत देने के लिए अनुदान में गैस कनेक्शन दिये जा रहे हैं. सात योजना के तहत कलाबुरू गांव में भी महिलाओं को गैस कनेक्शन दिया गया. मौके पर मौजूद गैस एजेंसी के डीलर ने बताया कि गांव में सिर्फ 11 लोगों को गैस कनेक्शन दिया जा रहा है क्योंकि, बाकी लोगों के पास जरूरी कागजात नहीं हैं. गैस वितरण से पहले बीडीओ ने सभी ग्रामीणों को गैस चूल्हा के उपयोग के बारे में बताया. उन्होंने कहा कि अन्य गांवों में भी इस तरह का लाभ ग्रामीणों को दिया जायेगा. गांवों को मुख्य सड़कों से जोड़ा जा रहा है. स्वास्थ्य सुविधा, कृषि, पशुपालन में लोगों को सुविधा देने के लिए कार्य किये जा रहे हैं. बीडीओ ने कहा कि अशिक्षा के कारण ग्रामीण सरकारी सुविधाओं का लाभ नहीं ले पा रहे हैं. उन्हें शिक्षित करने की जरूरत है.

जागरूक हुईं महिलाएं

पश्चिमी सिंहभूम के मनोहरपुर प्रखंड के रेड़ा गांव में ग्राम संगठन की महिलाओं को पोषण अभियान को लेकर जागरूक किया गया. सेतु दीदी जानकी महतो और भलंती महतो ने रेड़ा आजीविका ग्राम संगठन की महिलाओं को पोषण के बारे में जानकारी दी. सभी महिलाओं को शपथ दिलायी गयी और पोषण संबंधी नारे के बारे में बताया गया. इस दौरान चार्ट के माध्यम से आंगनबाड़ी सेविका ने बच्चों के खान-पान की जानकारी दी और बताया कि छह माह के बाद ही बच्चों को बाहरी अनाज देना चाहिए. इस दौरान महिलाओं को पोषण के लिए जागरूक करने संबंधी जानकारी दी गयी. फिट है तो हिट है, सही पोषण देश रोशन, हेल्थ का रखो हमेशा ध्यान, तभी बनोगे महान, पोषण आहार देश का आधार, अनाज खिलाओ कुपोषण दूर भगाओ जैसे नारे ग्राम संगठन की महिलाओं को बताये गये. महिलाओं को बताया गया कि एनिमिया को दूर करने के लिए साग-सब्जी भरपूर मात्रा में खानी चाहिए. स्वास्थ्य पर ध्यान रखने से ही बीमारी दूर होगी और हमें साफ-सफाई को अपने दैनिक जीवन में उतारने की जरूरत है. आंगनबाड़ी सेविका ने महिलाओं को बताया कि बच्चे स्वस्थ रहेंगे, तब उनका संपूर्ण विकास होगा और बच्चे आगे बढ़ेंगे.

इमानती भेंगरा

प्रखंड : मनोहरपुर
जिला : पश्चिमी सिंहभूम

मनाया गया पोषण सप्ताह

पश्चिमी सिंहभूम जिले के मनोहरपुर प्रखंड अंतर्गत रायकेरा पंचायत के सभी आंगनबाड़ी केंद्रों में राष्ट्रीय पोषण सप्ताह मनाया गया. इस पोषण सप्ताह में महलडिया गांव के आंगनबाड़ी केंद्र में पंचायत सेविकाओं के साथ-साथ ग्रामीण महिलाएं और बच्चे शामिल हुए. इस दौरान गर्भवती महिलाओं को स्तनपान संबंधी जानकारी दी गयी. साथ ही छह माह से तीन साल तक के बच्चों को पोषाहार देने संबंधी जानकारी दी गयी, ताकि उनका संपूर्ण विकास हो सके. बच्चों को सही समय पर भोजन देने, खाने में हरी सब्जी, फल, दाल-भात और खिचड़ी खिलाने पर जोर देने को कहा गया. महिलाओं को इस आहार से मिलनेवाले फायदे के बारे में भी बताया गया. आंगनबाड़ी पहुंचे बच्चों का वजन किया गया. वजन करने के बाद जो बच्चे कुपोषित पाये गये, उनकी मां को खान-पान के संबंध में जानकारी दी गयी. पोषण सप्ताह मनाने के लिए गांव की महिलाओं ने अपने आस-पास मिलने और घर में आसानी से उपलब्ध होने वाले फल, सब्जियों और अनाज के स्टॉल भी लगाये थे. छोटे बच्चों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने के लिए उन्हें हाथ धोने के तरीके बताये गये.

आशा तिग्गा

प्रखंड : मनोहरपुर
जिला : पश्चिमी सिंहभूम

विकास को लेकर बैठक

रांची जिले के कांके प्रखंड अंतर्गत हुंदूर पंचायत में जन जागृति अभियान चलाया गया. गांधी जयंती के मौके पर पंचायत भवन में आमसभा आयोजित की गयी. इस दौरान हुंदूर पंचायत के मुखिया विनोद उरांव ने पंचायत में किये गये कार्यों की विस्तार से जानकारी दी और बताया कि जन जागृति अभियान पहले इसलिए निकाला गया है, क्योंकि ग्रामीण पूरी तरह जागरूक नहीं हुए हैं. उन्हें सरकारी योजनाओं की पूरी जानकारी नहीं है, इस कारण ग्रामीण सरकारी लाभ से वंचित हैं. मुखिया ने बताया कि गांव की समस्या हो या एक परिवार की समस्या, उसे सरकार तक पहुंचाने और उन्हें लाभ दिलाने में सखी मंडल की दो महिलाएं पंचायत फैसिलिटेटर की मदद करेंगी. पंचायत सचिव द्वारा वर्तमान वित्तीय वर्ष की योजना की जानकारी दी गयी. बीएपी फलेंद्र करमाली ने पशुपालन, प्रधानमंत्री आवास योजना जैसी योजनाओं की विस्तार से जानकारी दी. जानकारी पाकर सभी लोग काफी खुश हुए. बैठक में सखी मंडल की दीदियां काफी संख्या में शामिल हुईं.

सुनीता देवी

प्रखंड : कांके
जिला : रांची

छात्रों को मिला सोलर लैंप

रांची जिला अंतर्गत अनगड़ा प्रखंड के हेसल गांव स्थित राजकीयकृत मध्य विद्यालय परिसर में जेएसएलपीएस के द्वारा बच्चों के बीच सोलर लैंप का वितरण किया गया. साथ ही उन्हें सोलर लैंप के बेहतर रख-रखाव की जानकारी भी दी गयी. इस दौरान जेएसएलपीएस के एसएसएमयू महेश विश्वकर्मा और सखी मंडल की तीन सदस्य प्रियंका कुमारी, आलो देवी और आसो देवी के द्वारा बच्चों को सोलर लैंप के उपयोग की जानकारी दी गयी. बच्चों को सोलर लैंप को ऑफ-ऑन करने, उसकी साफ-सफाई और रख-रखाव से संबंधित जानकारी भी दी गयी. सोलर लैंप के इस्तेमाल के दौरान बरती जानेवाली सावधानी के बारे में भी बताया गया. महेश विश्वकर्मा के द्वारा बच्चों से सोलर लैंप को ऑफ-ऑन करा कर चेक किया गया. उन्होंने बताया कि सरकारी स्कूलों के अलावा प्राइवेट स्कूलों में भी सोलर लैंप का वितरण किया जायेगा. इस दौरान बच्चों से सोलर लैंप से संबंधित फीडबैक फॉर्म भराया गया. छात्र सिफान अंसारी ने बताया कि उसे सोलर लैंप के उपयोग के बारे में जानकारी मिली है और अब उसे पढ़ाई करने में आसानी होगी. स्कूली बच्चों के अलावा शिक्षकों से भी फीडबैक फॉर्म भरवाया गया.

पिंकी महतो

प्रखंड : अनगड़ा
जिला : रांची